S.S. Jain Subodh P.G. College
Autonomous Scheme
स्नातक प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
अनिवार्य विषय–सामान्य हिन्दी
कला / वाणिज्य / विज्ञान संकाय
Nodal Department: Hindi

Scheme of Examination

Paper Code	Paper Title	Credits	Max. Marks	Min. Marks
	सामान्य हिन्दी	02	50	20

सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि –3 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन –15 अंक
सेमेस्टर मूल्यांकन –35 अंक
अधिकतम अंक –50 अंक
न्यूनतम अंक –20 अंक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
प्रश्न पत्र मेंदो भाग होंगे (1) साहित्य खण्ड एवं (2) व्याकरण खण्ड।
साहित्य खण्ड 18 अंक का होगा जिसका विभाजन निम्न प्रकार से है–

1. **खण्ड क एवं ख में से दो व्याख्याएं पूंछी जायेंगी (आंतरिक विकल्प देय)** **4×2= 08 अंक**
2. **खण्ड क एवं ख में से दो प्रश्न पूछे जायेंगे (आंतरिक विकल्प देय)** **5×2 = 10 अंक**
3. **खण्ड ग व्याकरण खण्ड (आंतरिक विकल्प देय)** **17 अंक**

35अंक

उद्देश्य(Objective) :–

1. अनिवार्य हिन्दी पढ़ाने का उद्देश्य है विद्यार्थियो में साहित्यिक अभिरूचि उत्पन्न करना।उनमें भाषागत सम्प्रेषण स्थापित करना एवं विषय की समस्त विधाओं से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को विकसित करना।कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि में आए विभिन्न पात्रों के चरित्र से मानवीय दृष्टि स्थापित करना, उनका मूल्यांकन करना, मनोवैज्ञानिक स्थितियों का अध्ययन करना।
3. विद्यार्थियों के आदर्श एवं यथार्थ का बोध कराना।
4. विद्यार्थियों में मौखिक एवं लिखित कौशल विकसित करना।
5. व्याकरण की विभिन्न इकाईयों का बोध कराना।
6. विद्यार्थियों को साहित्य की विधाओं से परिचित कराना।

खण्ड– क– गद्य भाग

1. शिरीष के फूल–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी– (ललित निबंध)
2. हरी–हरी दूब और लाचार क्रोध –कुबेरनाथ राय– (ललित निबंध)
3. इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर–हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)
4. ब्रह्माण्ड को टटोलता सुपर जीनियस–दिनेश रावत (वैज्ञानिक निबंध)
5. उजाले के मुसाहिब–विजयदान देथा (कहानी)
6. बलवान से भिडंत–महात्मा गांधी (आत्मकथा) **07 घण्टे / कक्षा**

खण्ड–ख–पद्य भाग

1. मैथिलीशरण गुप्त–भू लोक का गौरव
2. सुमित्रानन्दन पंत–बापू, प्रथम रश्मि
3. रामधारी सिंह दिनकर–हिमालय के प्रति, बुद्धदेव (बौधिसत्व)
4. हरिवंशराय बच्चन–पथ की पहचान, लहरों का निमन्त्रण
5. सुभद्राकुमारी चौहान–झांसी की रानी, प्रभु तुम मेरे मन की जानो
6. नागार्जुन–कालिदास के प्रति, प्रेत का बयान **10 घण्टे / कक्षा**

खण्ड–ग–व्याकरणभाग

1. निबंध (शब्द सीमा–250) **04अंक**
2. व्याकरण (उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची, विलोम शब्द, युग्म शब्द, वाक्य के लिये एक शब्द) **02अंक**
3. शब्द एवं वाक्य शुद्धि **04अंक**
4. पत्र लेखन–औपचारिक / अनौपचारिकपत्र **02 अंक**
5. पारिभाषिक शब्दावली : (केवल प्रशासनिक शब्दावली) **03 अंक**
6. आत्म–वृत्त (बायोडेटा) लेखन **02 अंक**

13 घण्टे / कक्षा

अधिगमप्रतिफल(Learning Outcome) :–

1. सामान्य हिन्दी (अनिवार्य हिन्दी) को पढ़ाने का प्रतिफल यह है कि हिन्दी भाषा में सम्प्रेषण कौशल बढ़ता है, विषय की जानकारी प्राप्त कर विद्यार्थी इस क्षेत्र में भविष्य निर्माण कर पायेगा।
2. विद्यार्थी व्याकरण की विभिन्न इकाईयों का ज्ञान प्राप्त कर पायेगा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी साहित्य और व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा।

संदर्भग्रंथ :–

1. हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरू।
2. हिन्दी भाषा ज्ञान : डॉ. हरिचरण शर्मा, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर पैपरबैक्स, नईदिल्ली।
4. आधुनिक कवि : विश्वम्भर मानव एवं डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।